SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Veterinary Officer (Rajasthan)

पशु चिकित्सा अधिकारी राजस्थान के पशुपालन विभाग का वह अधिकारी है जो पशु चिकित्सालय अथवा उप-केंद्र का प्रभारी होता है। इस पद पर बीमार पशुओं का उपचार एवं शल्य क्रिया, टीकाकरण एवं महामारी की रोकथाम, कृत्रिम गर्भाधान एवं नस्ल सुधार के...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-veterinary-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

पशु चिकित्सा अधिकारी राजस्थान के पशुपालन विभाग का वह अधिकारी है जो पशु चिकित्सालय अथवा उप-केंद्र का प्रभारी होता है। इस पद पर बीमार पशुओं का उपचार एवं शल्य क्रिया, टीकाकरण एवं महामारी की रोकथाम, कृत्रिम गर्भाधान एवं नस्ल सुधार के कार्यक्रम, पशुपालकों को आहार एवं रोग-प्रबंधन का मार्गदर्शन, तथा पशुधन से जुड़ी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन आता है। राजस्थान के लिए यह पद सामान्य से अधिक महत्त्व रखता है: यहाँ खेती वर्षा पर टिकी है और सूखे के वर्ष में परिवार की आय पशुधन से चलती है, इसलिए एक भैंस अथवा बकरी का बच जाना पूरे घर का अर्थ-तंत्र बचा लेता है। यह उन पदों में है जहाँ काम का परिणाम उसी दिन दिखाई देता है, और जहाँ पशुपालक आपको नाम से जानता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन में स्नातक उपाधि (बी.वी.एससी. एंड ए.एच.) अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उसके समकक्ष (सेवा नियम 1963)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: पशुपालन विभाग
आयु-सीमा	20 से 40 वर्ष — ध्यान दें कि न्यूनतम आयु 20 है, 21 नहीं, जो अधिकांश राजस्थान पदों से भिन्न है (सेवा नियम 1963, अनुसूची स्तंभ 9) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर कोई पदोन्नति-कोटा नहीं, अर्थात् सभी स्वीकृत पद आयोग की परीक्षा से भरे जाते हैं

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- पशुओं की देखभाल एवं उनके रोगों को समझने में रुचि
- जीव विज्ञान एवं चिकित्सा-विज्ञान का व्यावहारिक उपयोग

- ग्रामीण क्षेत्र में रहकर पशुपालक परिवारों के साथ काम करना

क्षमताएँ

- शारीरिक क्षमता एवं साहस — बड़े पशु को सँभालना, और वह भी तब जब वह पीड़ा में हो
- अशिक्षित अथवा कम पढ़े पशुपालक को धैर्य से समझा पाना
- निदान की क्षमता, क्योंकि रोगी बता नहीं सकता कि कहाँ दर्द है

ज़रूरी कौशल

- रोग निदान, उपचार एवं शल्य क्रिया
- कृत्रिम गर्भाधान एवं नस्ल सुधार
- औषधि-भंडार, अभिलेख एवं चिकित्सालय का प्रबंधन
- टीकाकरण अभियान एवं महामारी नियंत्रण
- प्रसूति एवं पशु-प्रजनन सम्बन्धी कार्य
- पशुपालकों का प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्य

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान वर्ग से जीव विज्ञान (बायोलॉजी) के साथ उत्तीर्ण करें। भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान — यही संयोजन आगे आवश्यक है।
2. नीट (NEET-UG) की परीक्षा दें। भारत में बी.वी.एससी. एंड ए.एच. में प्रवेश नीट के अंकों से होता है — यह वही परीक्षा है जो एम.बी.बी.एस. के लिए होती है, इसलिए तैयारी अलग से नहीं करनी पड़ती।
3. पाँच वर्ष का बी.वी.एससी. एंड ए.एच. पाठ्यक्रम पूरा करें, जिसमें अंतिम वर्ष की इंटर्नशिप सम्मिलित है। राजस्थान में यह राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में उपलब्ध है।
4. राजस्थान राज्य पशु चिकित्सा परिषद में पंजीकरण कराएँ। भारतीय पशु चिकित्सा परिषद अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण के बिना पशु चिकित्सा का अभ्यास नहीं किया जा सकता, और यह पंजीकरण नियुक्ति के समय माँगा जाता है।
5. आयु 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस पद की एक बात इसे अधिकांश सरकारी पदों से अलग करती है और वह आपके पक्ष में है: यह 100% सीधी भर्ती का पद है। कोई पदोन्नति-कोटा नहीं है, अर्थात् जितने पद स्वीकृत हैं वे सब आयोग की भर्ती से भरे जाते हैं। तुलना के लिए — इसी सूची के कई पदों पर आधे या उससे अधिक पद पहले से सेवा में लगे कर्मियों की पदोन्नति से भरते हैं, और सीधी भर्ती वाले उम्मीदवार के लिए केवल शेष बचता है। यहाँ ऐसा नहीं है।
- न्यूनतम आयु पर ध्यान दें। इस पद पर वह 20 वर्ष है, जबकि राजस्थान के अधिकांश पदों पर 21 वर्ष होती है। यह भेद छोटा लगता है पर व्यावहारिक है: बी.वी.एससी. पाँच वर्ष का पाठ्यक्रम है और यदि किसी ने 17 वर्ष की आयु में प्रवेश लिया हो तो वह 22 के आसपास उत्तीर्ण होता है, इसलिए न्यूनतम आयु प्रायः बाधा नहीं बनती — पर नियम में संख्या 20 ही है और इस पृष्ठ पर वही लिखी गई है।

- योग्यता में "अथवा उसके समकक्ष" का प्रावधान है, इसलिए भारत के अन्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों की डिग्री भी चलती है, बशर्ते वह मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हो। साथ ही भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण आवश्यक होता है — यह सेवा नियम की नहीं, व्यवसाय की शर्त है, पर इसके बिना काम नहीं किया जा सकता।
- चयन आयोग की भर्ती प्रक्रिया के अनुसार होता है और प्रश्न-पत्रों का विस्तृत स्वरूप उसी चक्र की विज्ञप्ति में दिया जाता है; इस पृष्ठ पर वह इसलिए नहीं लिखा गया क्योंकि 1963 के सेवा नियमों में परीक्षा की कोई निश्चित योजना अनुसूचित नहीं है। ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. आवश्यक नहीं।
- नाम-परिवर्तन की एक बात दर्ज करने योग्य है, क्योंकि पुरानी सूचियों में यह भ्रम पैदा करती है: नियमों की उसी पंक्ति के टिप्पणी-स्तंभ में लिखा है कि भेड़ एवं ऊन प्रसार अधिकारी (Sheep & Wool Extension Officer) का पद पशु चिकित्सा अधिकारी के रूप में पुनर्नामित किया गया है। यदि आपको कहीं पुराना नाम मिले, तो वह इसी पद की बात कर रहा है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences (RAJUVAS), Bikaner — the state veterinary university — बीकानेर, राजस्थान (https://www.rajuvas.org/)
- College of Veterinary and Animal Science, Bikaner — B.V.Sc. & A.H. — बीकानेर, राजस्थान (https://www.rajuvas.org/)
- Post Graduate Institute of Veterinary Education and Research, Jaipur — under RAJUVAS — जयपुर, राजस्थान (https://www.rajuvas.org/)
- Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar — postgraduate study and research — बरेली, उत्तर प्रदेश (https://ivri.nic.in/)

ऑनलाइन

- पशुपालन विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://animalhusbandry.rajasthan.gov.in/)
- Department of Animal Husbandry & Dairying, Government of India — the Veterinary Council sits under it; the Council site is not currently reachable — पंजीकरण के बिना पशु चिकित्सा का अभ्यास नहीं किया जा सकता (https://dahd.gov.in)
- National Testing Agency — NEET-UG, the entrance for B.V.Sc. & A.H. — भारत सरकार (https://neet.nta.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

सरकारी पशु चिकित्सा महाविद्यालय में बी.वी.एससी. एंड ए.एच. का शुल्क एम.बी.बी.एस. की तुलना में बहुत कम है, और राजस्थान का अपना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय बीकानेर में है, इसलिए राज्य के विद्यार्थी को बाहर जाने की आवश्यकता प्रायः नहीं पड़ती। खर्च का बड़ा भाग पाँच वर्ष के छात्रावास एवं भोजन का होता है, शुल्क का नहीं। प्रवेश नीट के अंकों पर होता है और नीट की तैयारी वही है जो एम.बी.बी.एस. के लिए की जाती है — अर्थात् जो विद्यार्थी पहले से नीट की तैयारी कर रहा है, उसे इस राह के लिए अलग से कुछ नहीं करना। एक व्यावहारिक बात जो कम कही जाती है: नीट में जिन विद्यार्थियों के अंक एम.बी.बी.एस. के लिए पर्याप्त नहीं होते, उनके लिए बी.वी.एससी. एक पूरी एवं सम्मानजनक चिकित्सा-राह है, न कि "दूसरा विकल्प" — और उसके अंत में यह सरकारी पद खड़ा है, जिसमें 100% भर्ती सीधी होती है। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ई.डब्ल्यू.एस. के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क-पुनर्भरण की योजनाएँ लागू होती हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

पशु चिकित्सालय, पशु चिकित्सा उप-केंद्र एवं प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय — इनमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र एवं तहसील स्तर पर हैं। काम का बड़ा भाग चिकित्सालय में होता है, और टीकाकरण, महामारी एवं पशु शिविरों के समय क्षेत्र में।

कार्य-संस्कृति

यह पद ग्रामीण जीवन से जुड़ा हुआ है और इसे इसी रूप में चुनना चाहिए। प्रारंभिक तैनाती प्रायः किसी गाँव अथवा छोटे कस्बे में होती है, और वहाँ पशु चिकित्सा अधिकारी एक जाना-पहचाना व्यक्ति बन जाता है — पशुपालक रात में भी दरवाज़ा खटखटाता है, क्योंकि उसकी भैंस ब्याने वाली है और वही उसकी सबसे बड़ी सम्पत्ति है। काम शारीरिक रूप से माँग वाला है: बड़े पशु को सँभालना, गर्मी में शिविर लगाना, और कभी-कभी असुविधाजनक परिस्थितियों में शल्य क्रिया करना। संसाधनों की कमी एक वास्तविकता है और उसे छिपाना उचित नहीं — उपकरण, औषधि एवं सहायक स्टाफ़ सदा पर्याप्त नहीं मिलते, और बहुत कुछ अधिकारी की अपनी व्यवस्था-क्षमता पर चलता है। इसके बदले में जो मिलता है वह असामान्य है: काम का परिणाम तत्काल दिखता है, समुदाय में सम्मान मिलता है, और सूखे के वर्ष में जब खेती चौपट होती है, तब आपका काम सीधे किसी परिवार की आय बचा रहा होता है।

कौन नौकरी देता है

- पशुपालन विभाग, राजस्थान
- ज़िला एवं तहसील स्तर के पशु चिकित्सालय एवं उप-केंद्र
- गोपालन विभाग एवं राज्य की पशुधन विकास योजनाएँ
- राजस्थान सहकारी डेयरी संघ एवं ज़िला दुग्ध संघ

माँग (2026)

राजस्थान पशुधन की दृष्टि से देश के बड़े राज्यों में है और यहाँ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था दूध, ऊन एवं पशु-व्यापार पर बहुत हद तक टिकी है, इसलिए पशु चिकित्सा अधिकारी की आवश्यकता स्थायी है। दो बातें इस पद के पक्ष में जाती हैं। पहली, यह 100% सीधी भर्ती का पद है, इसलिए स्वीकृत पदों का पूरा हिस्सा सीधी भर्ती से आता है — यह इस सूची के अनेक पदों से बेहतर स्थिति है। दूसरी, बी.वी.एससी. की डिग्री केवल इसी पद तक सीमित नहीं है: निजी पशु चिकित्सालय एवं क्लिनिक, डेयरी एवं पोल्ट्री उद्योग, पशु-आहार एवं औषधि कंपनियाँ, केंद्र सरकार की भर्तियाँ, तथा स्नातकोत्तर एवं शोध — सब इसी डिग्री से खुलते हैं। साथ में यह भी जानना चाहिए कि विज्ञप्ति हर वर्ष नहीं आती और रिक्तियाँ विभाग की आवश्यकता से तय होती हैं। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. पशुधन सहायक एवं पशु परिचर — विभाग के अधीनस्थ पद, जो पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ काम करते हैं (ये इस पद तक पदोन्नति का मार्ग नहीं हैं, क्योंकि यह पद 100% सीधी भर्ती का है)
2. पशु चिकित्सा अधिकारी — 100% सीधी भर्ती से, आयोग की परीक्षा द्वारा
3. वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी एवं सहायक निदेशक — अनुभव पर पदोन्नति द्वारा
4. उप निदेशक एवं संयुक्त निदेशक — ज़िला एवं संभाग स्तर का पर्यवेक्षण
5. निदेशक, पशुपालन विभाग — विभाग का शीर्ष

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹60,000 – ₹80,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹95,000 से अधिक (भत्तों सहित, उप निदेशक एवं उससे ऊपर)

1963 के सेवा नियमों की जो प्रति पढ़ी गई उसमें पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह पाँच वर्ष की व्यावसायिक डिग्री माँगने वाला राजपत्रित स्तर का पद है, इसलिए इसका वेतनमान केवल स्नातक माँगने वाले पदों से ऊपर रहता है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- 100% सीधी भर्ती — पदोन्नति-कोटा न होने से सारे स्वीकृत पद आयोग की भर्ती से आते हैं
- वही डिग्री निजी क्लिनिक, डेयरी एवं पोल्ट्री उद्योग तथा केंद्रीय भर्तियों में भी चलती है
- काम का परिणाम उसी दिन दिखता है, और समुदाय में वास्तविक सम्मान मिलता है
- नीट की तैयारी दोनों राहों में काम आती है — एम.बी.बी.एस. भी, बी.वी.एससी. भी

चुनौतियाँ

- तैनाती प्रायः ग्रामीण क्षेत्र में, और आपात स्थिति में बुलावा किसी भी समय आ सकता है
- शारीरिक रूप से माँग वाला काम — बड़े पशु को सँभालना जोखिम भी रखता है
- उपकरण, औषधि एवं सहायक स्टाफ़ की कमी एक सामान्य वास्तविकता है
- पाँच वर्ष की डिग्री एवं परिषद में पंजीकरण — प्रवेश की लागत समय में अधिक है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान पशुपालन सेवा नियम, 1963 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230718120926824630 8AnilmalHusbandary1963_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. पशुपालन विभाग, राजस्थान — https://animalhusbandry.rajasthan.gov.in/

4. राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर — https://www.rajuvas.org/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in